

# विषय-सूची

## प्रथम भाग

### मूल धारणाएँ (BASIC CONCEPTS)

#### 1. अर्थशास्त्र का क्षेत्र और प्रकृति

##### (The Nature and Scope of Economics)

प्रस्तावना; अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु; राबिन्स की दुर्लभता परिभाषा; इसकी आलोचनाएँ; निष्कर्ष; एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख अथवा केन्द्रीय समस्याएँ; निष्कर्ष; समाज की उत्पादन संभावनाएँ या उत्पादन संभावना वक्र; उत्पादन संभावना वक्र के उपयोग; आर्थिक क्रिया का चक्रीय प्रवाह—दो-क्षेत्र अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रवाह; तीन-क्षेत्र अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रवाह; अर्थशास्त्र विज्ञान के रूप में; अर्थशास्त्र—यथार्थ अथवा आदर्श विज्ञान; अर्थशास्त्र यथार्थ विज्ञान के रूप में; अर्थशास्त्र आदर्श विज्ञान के रूप में; निष्कर्ष; प्रश्न

#### 2. अर्थशास्त्र में कार्यपद्धति-विषयक वादविषय

##### (Methodological Issues in Economics)

प्रस्तावना; सैद्धांतिक अर्थशास्त्र या आर्थिक सिद्धांत की प्रकृति; वैज्ञानिक सिद्धांत के सोपान; सैद्धान्तिक अर्थशास्त्र के उपयोग; सैद्धांतिक अर्थशास्त्र की सीमाएँ; सैद्धान्तिक अर्थशास्त्र की विधियाँ—निगमन एवं आगमन—निगमनिक विधि; निगमन विधि के गूण; निगमन विधि के दोष; आगमनिक विधि; आगमनिक विधि के गुण; आगमनिक विधि के दोष; निष्कर्ष; आर्थिक नियमों (या सामान्यीकरण) की प्रकृति—आर्थिक नियमों का अर्थ; आर्थिक प्रकृति; आर्थिक सिद्धांत में मान्यताओं की प्रकृति, कार्य और महत्व; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न

#### 3. आर्थिक मॉडल

##### (Economic Models)

प्रस्तावना; अर्थ और प्रकृति, मॉडल निर्माण में धारणाएँ; एक व्यक्ति-स्थैतिक मॉडल का निर्माण—इसकी मान्यताएँ; मॉडल; एक आर्थिक मॉडल के निर्माण और टेस्ट करने की प्रक्रिया; मॉडलों में चुनाव; आर्थिक मॉडल की सीमाएँ; मॉडलों के प्रयोग; प्रश्न

4. **व्यष्टि तथा समष्टि अर्थशास्त्र**  
(Micro and Macroeconomics)

प्रस्तावना; व्यष्टि अर्थशास्त्र—इसका अर्थ; इसका क्षेत्र; व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्व; व्यष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएँ; समष्टि अर्थशास्त्र—इसका अर्थ; समष्टि अर्थशास्त्र का क्षेत्र और महत्व; निष्कर्ष; समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएँ; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद; दोनों मार्गों के परस्पर सम्बन्ध तथा समाकलन की समस्याएँ; प्रश्न

5. **आर्थिक स्थैतिकी तथा प्रावैगिकी**  
(Economic Statics and Dynamics)

प्रस्तावना; आर्थिक स्थैतिकी; व्यष्टि स्थैतिकी; समष्टि-स्थैतिकी; आर्थिक प्रावैगिकी; कॉबवैब मॉडल—व्यष्टि प्रावैगिकी; इसकी मान्यताएँ; मॉडल; इसकी सीमाएँ; इसके निहितार्थ; समष्टि-प्रावैगिकी; तुलनात्मक स्थैतिकी; इसकी सीमाएँ; इसका महत्व; आर्थिक स्थैतिकी का महत्व; सीमाएं; आर्थिक प्रावैगिकी का महत्व; आर्थिक प्रावैगिकी की सीमाएं; स्थिर अवस्था पर टिप्पणी; इसकी सीमाएं; प्रश्न

6. **संतुलन की धारणा**  
(The Concept of Equilibrium)

अर्थ; स्थैतिक संतुलन; प्रावैगिक संतुलन; स्थिर बनाम अस्थिर संतुलन; तटस्थ संतुलन; आंशिक संतुलन—इसकी मान्यताएं; इसके गुण; सीमाएं; सामान्य संतुलन—इसकी मान्यताएं; सामान्य संतुलन व्यवस्था का कार्यकरण; इसकी सीमाएं; सामान्य संतुलन विश्लेषण के लाभ; प्रश्न

7. **कीमत तंत्र का कार्य**  
(The Role of Price Mechanism)

कीमत तंत्र का अर्थ; कीमतों का कार्य या कीमत तंत्र की मुक्त अर्थव्यवस्था में कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र; मुक्त मार्केट अर्थव्यवस्था में कीमत तंत्र की सीमाएं; प्रश्न

## **द्वितीय भाग**

### **मांग सिद्धान्त (DEMAND THEORY)**

8. **नव-क्लासिकी मांग विश्लेषण**  
(The Neo-classical Demand Analysis)

प्रस्तावना; उपयोगिता विश्लेषण की मान्यताएँ; कुल उपयोगिता बनाम सीमान्त उपयोगिता; घटती सीमान्त उपयोगिता का नियम; आनुपातिकता का नियम; मांग—एक उपभोक्ता की मांग अनुसूची और वक्र; मार्केट मांग अनुसूची और वक्र; मांग में परिवर्तन; मांग का नियम; इसकी मान्यताएं; मांग वक्र के नीचे की ओर ढालू होने का कारण; मांग नियम के अपवाद; आय मांग; प्रति मांग; अल्पकालीन और दीर्घकालीन मांग वक्र; मांग सिद्धान्त या उपयोगिता विश्लेषण के दोष; प्रश्न

**9. उदासीनता वक्र सिद्धान्त**  
(The Indifference Curve Theory)

प्रस्तावना; उदासीनता वक्र; उदासीनता वक्र विश्लेषण की मान्यताएं; उदासीनता वक्रों की विशेषताएँ; स्थानापन्नता की सीमान्त दर; उपभोक्त का संतुलन; उपभोक्त के संतुलन के कोण हल; आय प्रभाव; स्थानापन्नता प्रभाव—हिक्स का स्थानापन्नता प्रभाव; स्लट्स्की का स्थानापन्नता प्रभाव; निष्कर्ष; कीमत प्रभाव; कीमत प्रभाव से स्थानापन्नता प्रभाव और आय प्रभाव को अलग करना—हिक्स विधि; एक घटिया वस्तु के लिए स्थानापन्नता और आय प्रभाव; गिफ्टन वस्तु के लिए स्थानापन्नता और आय प्रभाव; निष्कर्ष; स्लट्स्की विधि; स्लट्स्की बनाम हिक्स: कीमत प्रभाव से स्थानापन्नता प्रभाव और आय प्रभाव को अलग करना; कीमत उपभोग वक्र से मांग वक्र खींचना—मान्यताएं; क्षतिपूरित मांग वक्र—मार्शल का अक्षतिपूरित मांग वक्र; हिक्स का क्षतिपूरित मांग वक्र; स्लट्स्की का क्षतिपूरित मांग वक्र; निष्कर्ष; उदासीनता वक्र विश्लेषण में स्थानापन्न और पूरक; कीमत उपभोग वक्र से मांग की लोच मापना; उदासीनता वक्र विश्लेषण के लाभ तथा व्यावहारिकता—विनियम की समस्या; उपभोक्ताओं पर सब्सिडी के प्रभाव; राशनिंग की समस्याओं को हल करने में; सूचकांक रहनसहन की लागत मापना; आय-अवकाश विनियम और श्रम की पूर्ति; पीछे की ओर ढालू श्रम का पूर्ति वक्र; आय प्रभाव बनाम उत्पादन शुल्क; एक व्यक्ति की बचत योजना; उपभोक्त की बचत का माप; उदासीनता वक्र तकनीक की उपयोगिता विश्लेषण से श्रेष्ठता; उदासीनता वक्र विश्लेषण की आलोचनाएँ; प्रश्न

**10. जोखिम अथवा अनिश्चितता वाले चुनावों का आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण**  
(The Modern Utility Analysis of Choices involving Risk or Uncertainty)

समस्या, बर्नोली उपकल्पना; उपयोगिता मापन की न्यूमैन-मोरगन्स्टर्न विधि—इसकी मान्यताएं; N-M उपयोगिता सूचक; इसका मूल्यांकन; फ्रीडमैन-सेवेज उपकल्पना; मार्कोविज उपकल्पना; आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण का समीक्षात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

**11. मांग का प्रकटित (उद्घाटित) अधिमान सिद्धान्त**  
(The Revealed Preference Theory of Demand)

प्रस्तावना; चुनाव अधिमान को प्रकट करता है; मांग का नियम—इसकी मान्यताएं; मांग प्रमेय या आधारभूत प्रमेय; प्रकटित अधिमान से मांग वक्र की व्युत्पत्ति; प्रकटित अधिमान से उदासीनता वक्र व्युत्पन्न करना—इसकी मान्यताएँ; प्रकटित अधिमान सिद्धान्त की श्रेष्ठता; प्रकटित अधिमान सिद्धान्त के दोष; प्रश्न

**12. हिक्स द्वारा माँग सिद्धान्त का संशोधन : तर्कसंगत आदेश का मांग सिद्धान्त**  
(Hicks' Revision of Demand Theory : Demand Theory of Logical Ordering)

भूमिका; सशक्त और दुर्बल आदेश; हिक्स के मांग सिद्धान्त में दुर्बल आदेश का प्रयोग; प्रत्यक्ष संगति परीक्षण; दुर्बल (या तर्कसंगत) आदेश का मांग सिद्धान्त—मांग के सिद्धान्त की व्युत्पत्ति; इसकी श्रेष्ठता; इसकी कमियाँ; प्रश्न

**13. मांग की लोच**  
(The Elasticity of Demand)

भूमिका; मांग की कीमत लोच; मांग की कीमत लोच मापने की विधियाँ; लोच और मांग वक्र की ढलान; मांग की प्रतिलोच; पूरक वस्तुओं की प्रतिलोच; मांग की आय लोच; स्थानापन्नता की मांग लोच—उदासीनता वक्र विश्लेषण से स्थानापन्नता लोच की व्याख्या; कीमत लोच के सिद्धान्त का महत्व; प्रश्न

14. उपभोक्ता की बचत की धारणा  
(The Concept of Consumer's Surplus)

प्रस्तावना; धारणा का कथन; आलोचनाएँ; उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता की बचत; हिक्स का पुर्ननिर्माण; उपभोक्ता बचत के चार माप—क्षतिपूरक परिवर्तन; समान परिवर्तन; कीमत समान परिवर्तन; मात्रा समान परिवर्तन; निष्कर्ष; प्रश्न

15. मांग सिद्धान्त में नूतन विकास  
(Recent Developments in Demand Theory)

भूमिका; मांग सिद्धान्त की व्यावहारिक धारणा—स्थिर लोच का मांग फलन; गत्यात्मक मांग फलन; अनुभवसिद्ध मांग फलन; मांग फलों की सीमाएँ; रेखीय व्यय प्रणाली (LES) —इसकी मान्यताएँ; LES का मॉडल; परोक्ष उपयोगिता फलन; इसकी विशेषताएँ; ग्राफीय प्रस्तुतीकरण; प्रत्यक्ष और परोक्ष उपयोगिता फलों में भेद; व्यय फलन; लंकास्टर का विशेषता मांग सिद्धान्त—इसकी मान्यताएँ; कीमत प्रभाव अथवा मांग का नियम; आय प्रभाव; वस्तु अथवा ब्रांड के गुण में परिवर्तन; लंकास्टर के मांग सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन; इसकी कमियाँ; प्रश्न

16. मांग सिद्धान्त में बैंडवैगन, स्नॉब तथा वैब्लेन प्रभाव  
(Bandwagon, Snob and Veblen Effects in Demand Theory)

बैंडवैगन प्रभाव; स्नॉब प्रभाव; वैब्लेन प्रभाव; मान्यताएँ; व्याख्या; प्रश्न

## तृतीय भाग

### उत्पादन सिद्धान्त (PRODUCTION THEORY)

17. उत्पादन फलन : परम्परागत सिद्धान्त  
(Production Function : The Traditional Approach)

प्रस्तावना; उत्पादन फलन—अल्पकालीन; दीर्घकालीन; निष्कर्ष; परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; पैमाने के प्रतिफल का नियम; पैमाने की किफायतें या मितव्ययिताएँ—वास्तविक आंतरिक किफायतें; आर्थिक आंतरिक किफायतें; वास्तविक बाह्य किफायतें; आर्थिक बाह्य किफायतें; आंतरिक तथा बाह्य किफायतों में सम्बन्ध; पैमाने की अमितव्ययिताएँ—वास्तविक आंतरिक अमितव्ययिताएँ; आर्थिक आंतरिक अमितव्ययिताएँ; आर्थिक बाह्य अमितव्ययिताएँ; प्रश्न

18. उत्पादन फलन : सममात्रा-समलागत सिद्धान्त  
(Production Function : The Isoquant-Isocost Approach)

सममात्रा-वक्र या समोत्पाद वक्र—सममात्रा वक्र बनाम उदासीनता-वक्र; सममात्रा-वक्रों की विशेषताएँ; समलागत वक्र; तकनीकी स्थानापन्नता की सीमान्त दर का नियम; साधन स्थानापन्नता की लोच; परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; पैमाने के प्रतिफल के नियम; पैमाने के प्रतिफल और साधन के प्रतिफल में सम्बन्ध; इष्टतम साधन संयोग का चुनाव या साधनों का न्यूनतम लागत संयोग; दी हुई लागत के लिए उत्पादन को अधिकतम करना; साधन कीमत में परिवर्तन के साथ साधन स्थानापन्नता; उत्पादन में दोहरा प्रभाव—कुल

साधन-कीमत प्रभाव; स्थानापन्नता प्रभाव और उत्पादन प्रभाव को अलग करना; इष्टतम प्रसार पथ के चुनाव—दीर्घकाल में इष्टतम प्रसार पथ; अल्पकाल में इष्टतम प्रसार पथ; बहुवस्तु फर्म—इसकी मान्यतायें; बहुवस्तु फर्म का संतुलन; कॉब-डगलस उत्पादन फलन—इसकी विशेषताएँ; इसकी आलोचनाएँ; इसका महत्व; CES उत्पादन फलन—इसकी विशेषताएँ; CES फलन बनाम CD फलन; CES उत्पादन फलन की सीमाएँ; उत्पादन फलन बनाम उत्पादन प्रक्रिया; प्रश्न

**19. तकनीकी उन्नति और उत्पादन फलन**  
(Technical Progress and Production Function)

अर्थ; तकनीकी उन्नति का वर्गीकरण—तटस्थ तकनीकी उन्नति; श्रम-बचतकारी तकनीकी उन्नति; पूंजी-बचतकारी तकनीकी उन्नति; असमाविष्ट और समाविष्ट तकनीकी उन्नति; इसकी सीमाएँ; प्रश्न

**चतुर्थ भाग**

**वस्तु-कीमत निर्धारण (PRODUCT PRICING)**

**20. लागतों की प्रकृति तथा लोच**  
(The Nature of Costs and Cost Elasticity)

लेखांकन और आर्थिक लागतें; उत्पादन लागतें; वास्तविक लागत; अवसर लागत; निजी और सामाजिक लागतें; लागत फलन; लागतों का परम्परागत सिद्धांत; फर्म के अल्पकालीन लागत वक्र; फर्म के दीर्घकालीन लागत वक्र; SAC वक्र की अपेक्षा LAC अधिक चपटा; लागतों का आधुनिक सिद्धान्त—उत्पादन और प्रबन्धकीय लागतें; तकनीकी उन्नति; जानकारी; निष्कर्ष; दीर्घकालीन कुल लागत वक्र को उत्पादन फलन या प्रसार पथ से व्युत्पन्न करना; LAC और LMC वक्रों को LTC वक्र से व्युत्पन्न करना; पैमाने की किफायतें और LAC वक्र; लागतों की लोच; प्रश्न

**21. आगम की धारणा**  
(The Concept of Revenue)

कुल, औसत और सीमान्त आगम; औसत आगम और सीमान्त आगम वक्रों में सम्बन्ध; आगत वक्रों का महत्व; प्रश्न

**22. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र**  
(Supply Curve under Perfect Competition)

पूर्ति का नियम; पूर्ति की लोच; पूर्ति की लोच का माप; पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म एवं उद्योग का अल्पकालीन पूर्ति वक्र; पूर्ण प्रतियोगिता में उद्योग का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र; पूर्ण प्रतियोगिता और पूर्ति वक्र की असंगति; एकाधिकार या अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पूर्ति वक्र; प्रश्न

**23. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म तथा उद्योग का संतुलन**  
(Equilibrium of the Firm and Industry under Perfect Competition)

पूर्ण प्रतियोगिता; पूर्ण प्रतियोगिता बनाम शुद्ध प्रतियोगिता; फर्म और उद्योग का संतुलन; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत संसाधन आवंटन; प्रश्न

**24. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण  
(Pricing under Perfect Competition)**

संतुलन कीमत; कीमत सिद्धान्त में समय-तत्त्व का महत्त्व; बाजार कीमत तथा सामान्य कीमत में तुलना; प्रश्न

**25. प्रतिनिधि, संतुलन और इष्टतम फर्म  
(Representative, Equilibrium and Optimum Firm)**

प्रतिनिधि फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इसकी व्यावहारिक उपयोगिता; संतुलन फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इष्टतम फर्म—इसकी आलोचनाएँ; इष्टतम फर्म का आकार निर्धारित करने वाले तत्त्व; प्रश्न

**26. परस्पर-निर्भर कीमतें  
(Interdependent Prices)**

संयुक्त मांग; संयुक्त पूर्ति; सम्मिश्र अथवा स्पर्धी मांग; सम्मिश्र या स्पर्धी पूर्ति; प्रश्न

**27. एकाधिकार  
(Monopoly)**

अर्थ, एकाधिकार के स्रोत और प्रकार; विशुद्ध एकाधिकार; एकाधिकार कीमत-निर्धारण—इसकी मान्यताएँ; कीमत-उत्पादन निर्धारण; अल्पकालीन एकाधिकार संतुलन; दीर्घकालीन एकाधिकार संतुलन; निष्कर्ष; बहुप्लान्ट एकाधिकार फर्म—इसकी मान्यताएँ; कीमत-उत्पादन निर्धारण; प्रवेश का भय होने पर एकाधिकार कीमत-निर्धारण; एकाधिकार कीमत विभेद—अर्थ; कीमत विभेद के प्रकार; कीमत विभेद की शर्तें; एकाधिकार विभेद में कीमत-निर्धारण; राशि-पातन; कीमत विभेद समाज के लिए हानिकारक या लाभदायक; एकाधिकार शक्ति की कोटि और माप—एकाधिकार शक्ति का माप; इसकी सीमाएँ; ट्रिफिन का माप; बेन का माप; रोथ्सचाइल्ड का माप; एकाधिकार का नियन्त्रण और नियमन; एकाधिकार एवं पूर्ण प्रतियोगिता में तुलना; एकाधिकार के अन्तर्गत साधन आवंटन; प्रश्न

**28. एकक्रेताधिकार तथा द्विपक्षीय एकाधिकार  
(Monopoly and Bilateral Monopoly)**

एकक्रेताधिकार कीमत निर्धारण; एकक्रेताधिकार तथा पूर्ण प्रतियोगिता की तुलना; द्विपक्षीय एकाधिकार—इसकी मान्यताएँ; कीमत निर्धारण; प्रश्न

**29. एकाधिकात्मक प्रतियोगिता  
(Monopolistic Competition)**

अर्थ; इसकी विशेषताएँ; एकाधिकात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म का कीमत-निर्धारण—अल्पकालीन संतुलन; दीर्घकालीन संतुलन; चैम्बरलेन का समूह संतुलन—उद्योग और समूह की धारणा—समूह संतुलन सिद्धान्त; इसकी सीमाएँ; समूह संतुलन की आलोचनाएँ; अतिरिक्त क्षमता का सिद्धान्त; चैम्बरलेन की अतिरिक्त क्षमता की धारणा; इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; इसका महत्त्व; विक्रय लागतें; विक्रय लागत वक्र और उसका उत्पादन लागतों पर प्रभाव; माँग वक्र पर विक्रय लागतों का प्रभाव; विक्रय लागतों के अन्तर्गत कीमत-उत्पादन निर्धारण; एकाधिकात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-रहित प्रतियोगिता—वस्तु विभिन्नता; विक्रय प्रोत्साहन; गैर-कीमत प्रतियोगिता में समूह-संतुलन; पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; एकाधिकार और एकाधिकात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; प्रश्न

**30. द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकार  
(Duopoly and Oligopoly)**

द्वयाधिकार मॉडल—द्वयाधिकार का अर्थ; कूनों मॉडल प्रतिक्रिया वक्रों के रूप में; इसकी आलोचनाएँ; बर्ट्रेड मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; ऐज्वर्थ मॉडल; स्टेकलबर्ग मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; होटलिंग मॉडल—इसकी आलोचनाएँ; चैम्बरलेन मॉडल (अल्प गुप मॉडल)—इसकी आलोचनाएँ; अल्पाधिकार—अर्थ; अल्पाधिकार की विशेषताएँ; अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण; स्विजी का किंकित मांग वक्र (स्थिर कीमत) मॉडल—इसकी मान्यताएँ; इसकी कमियाँ; कपटसंधिपूर्ण अल्पाधिकार—कार्टेल; संयुक्त लाभ अधिकतमकरण कार्टेल—इसकी मान्यताएँ; संयुक्त लाभ अधिकतमकरण हल; इसके लाभ; कार्टेल की कठिनाइयाँ; मार्किट बांट कार्टेल—इसकी मान्यताएँ—मार्किट बांट हल; कीमत नेतृत्व—कम-लागत कीमत नेतृत्व मॉडल—इसकी मान्यताएँ कीमत-नेतृत्व मॉडल असमान मार्किट बांट के साथ; प्रधान फर्म कीमत नेतृत्व मॉडल— इसकी मान्यताएँ; बेरोमेट्रिक कीमत नेतृत्व मॉडल; अल्पाधिकार में कीमत-रहित प्रतियोगिता; प्रश्न

**31. बेन का सीमा कीमत निर्धारण सिद्धांत  
(Bain's Limit Pricing Theory)**

भूमिका; बेन का सीमा कीमत सिद्धांत—इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न

**32. लाभ अधिकतमकरण और पूर्ण लागत कीमत निर्धारण सिद्धांत  
(Profit Maximisation and Full Cost Pricing Theories)**

भूमिका; लाभ अधिकतमकरण सिद्धान्त—इसकी मान्यताएँ; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत लाभ अधिकतमकरण; एकाधिकार के अन्तर्गत लाभ अधिकतमकरण—इसकी आलोचनाएँ; पूर्ण लागत अथवा औसत लागत कीमत निर्धारण का सिद्धांत; एंड्रयूज की व्याख्या; इसकी आलोचनाएँ; सीमांतवादी विवाद—सीमांतवादी सिद्धांत के विरुद्ध तर्क; इसके पक्ष में तर्क; प्रश्न

**33. फर्म के व्यवहार-सम्बन्धी और प्रबंधकीय सिद्धांत  
(Behavioural and Managerial Theories of the Firm)**

भूमिका; साइमन का संतुष्टिकरण सिद्धांत—इसकी आलोचनाएँ; सामर्ट और मार्च का व्यवहार-संबंधी सिद्धांत—संगठनात्मक लक्ष्य; विरोधात्मक लक्ष्य; संतुष्टिकरण व्यवहार; संगठनात्मक मंदी; निर्णयकरण प्रक्रिया; कीमत व्यवहार के लिए मॉडल के निहितार्थ—इसकी आलोचनाएँ; विलियमसन का प्रबंधकीय विवेक सिद्धांत—इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन; इसकी कमियाँ; मैरिस का वृद्धि अधिकतमकरण मॉडल—इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; बोमल का विक्रय अधिकतमकरण मॉडल—इसकी मान्यताएँ; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न

**34. खेल सिद्धांत तथा कीमत निर्धारण  
(Game Theory and Price Determination)**

प्रस्तावना; दो व्यक्ति स्थिर-राशि या शून्य-राशि खेल; स्थिर तट राशि खेल; खेल सिद्धान्त की सीमाएँ; खेल सिद्धान्त का महत्व; प्रश्न

35. आगत-निर्गत विश्लेषण  
(Input-Output Analysis)

प्रस्तावना; प्रमुख विशेषताएँ; स्थैतिक आगत-निर्गत मॉडल—इसकी मान्यताएँ; गत्यात्मक आगत-निर्गत मॉडल; आगत-निर्गत विश्लेषण की सीमाएँ; महत्व; प्रश्न

36. रेखीय प्रोग्रामिंग  
(Linear Programming)

प्रस्तावना; अर्थ; शर्तें एवं सामान्यीकरण; फर्म के सिद्धान्त पर उपयोग; रेखीय प्रोग्रामिंग की सीमाएँ; गणितीय नोट: रेखाचित्र हल; सीमांतवाद और रेखीय प्रोग्रामिंग इष्टतमीकरण तकनीकों के रूप में, सीमांतवाद और रेखीय प्रोग्रामिंग; प्रश्न

**पंचम भाग**

**साधन-कीमत निर्धारण (FACTOR PRICING)**

37. वितरण के सिद्धान्त  
(Theories of Distribution)

व्यक्तिगत वितरण तथा फलनात्मक वितरण; साधन कीमत तथा बाजार कीमत निर्धारण में अन्तर; क्लासिकी अथवा रिकार्डों सिद्धान्त; मार्क्स सिद्धान्त—इसकी आलोचनाएँ; कलैस्की का एकाधिकार कोटि-सिद्धान्त या नव-क्लासिकी सिद्धान्त—इसकी आलोचनाएँ; वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त—इसकी आलोचनाएँ; केन्जीय या कालडर का वितरण सिद्धान्त; प्रश्न

38. आइलर प्रमेय : संकलन समस्या  
(Euler's Theorem : Adding-up Problem)

अर्थ और हल; आइलर प्रमेय का रेखीय चित्रण—इसकी व्याख्या; इसकी आलोचनाएँ; प्रश्न

39. विभिन्न मार्किट स्थितियों में साधन-कीमत निर्धारण  
(Factor Pricing under Different Market Conditions)

पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत साधन-कीमत निर्धारण; अपूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत साधन-कीमत निर्धारण; प्रश्न

40. लगान  
(Rent)

अर्थ; रिकार्डों का लगान सिद्धान्त; लगान का आधुनिक सिद्धान्त; लगान और कीमत; आभास-लगान; प्रश्न

41. मजदूरी  
(Wages)

अर्थ; आधुनिक सिद्धान्त: प्रतियोगी बाजार में मजदूरी-निर्धारण; अपूर्ण श्रम-बाजार: श्रम-बाजार में एकक्रयाधिकार; यूनियन तथा मजदूरी: सामूहिक सौदेबाजी; प्रश्न



42. **ब्याज**  
(Interest)

अर्थ; कुल तथा शुद्ध ब्याज; समय अधिमान सिद्धान्त; ब्याज का क्लासिकी सिद्धान्त; ब्याज का ऋण-योग्य निधि सिद्धान्त; इसकी क्लासिकी सिद्धान्त से श्रेष्ठता; केन्ज का ब्याज का तरलता अधिमान सिद्धान्त; इसकी ऋण-योग्य निधि के सिद्धान्त से श्रेष्ठता; ब्याज की क्लासिकी, ऋण-योग्य निधियों तथा केन्जीय सिद्धान्तों की अनिर्धारिता; ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त; केन्जीय सिद्धान्त से श्रेष्ठता; विकसैल का सिद्धान्त; ब्याज की संतुलक एवं बाजार दर; समीक्षात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

43. **लाभ**  
(Profits)

अर्थ; लाभ की प्रकृति; गत्यात्मक सिद्धान्त; शूम्पीटर का नव-प्रवर्तन सिद्धान्त; जोखिम सिद्धान्त; अनिश्चितता उठाने का सिद्धान्त; शैकल का सिद्धान्त; लाभ का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत लाभों का निर्धारण—आधुनिक सिद्धान्त; सामान्य लाभ की धारणा; एकाधिकार लाभ; लाभों में समानता की प्रवृत्ति; लाभ और उत्पादन की लागत; लाभ का लगान सिद्धान्त; प्रश्न

**षष्ठ भाग**

**सामान्य सन्तुलन और कल्याण अर्थशास्त्र**  
(GENERAL EQUILIBRIUM AND WELFARE ECONOMICS)

44. **सामान्य सन्तुलन सिद्धान्त**  
(General Equilibrium Theory)

प्रस्तावना; सामान्य सन्तुलन के अस्तित्व, स्थिरता और अद्वितीयता की समस्याएँ; वालरसीय सामान्य सन्तुलन मॉडल—इसकी आलोचनाएँ;  $2 \times 2 \times 2$  ग्राफीय सामान्य सन्तुलन मॉडल—इसकी मान्यताएँ; विनिमय (उपभोग) का सामान्य सन्तुलन; उत्पादन का सामान्य सन्तुलन; विनिमय और उत्पादन का सामान्य सन्तुलन; प्रश्न

45. **कल्याण अर्थशास्त्र की प्रकृति**  
(Nature of Welfare Economics)

प्रस्तावना; कल्याण अर्थशास्त्र क्या है? मूल्य निर्णय; यथार्थ अर्थशास्त्र तथा कल्याण अर्थशास्त्र; प्रश्न

46. **पीगू का कल्याण अर्थशास्त्र और बहिर्भाव**  
(Pigouvian Welfare Economics and Externalities)

प्रस्तावना; कल्याण धारणा; पीगू की कल्याण की दशा; सीमान्त निजी व सीमान्त सामाजिक लागतों एवं प्रतिफलों के विचलन का विश्लेषण अथवा बहिर्भावों या बाह्य प्रभावों का विश्लेषण; पीगू की आदर्श उत्पाद धारणा; प्रश्न

**47. नया कल्याण अर्थशास्त्र  
(New Welfare Economics)**

परेटियन इष्टतम; क्षतिपूर्ति मापदण्ड; समाज कल्याण फलन; ऐरो की असंभवता प्रमेय; कल्याण अर्थशास्त्र के राजनीतिक पहलू; प्रश्न

**48. सामाजिक कल्याण का अधिकतमकरण  
(Maximisation of Social Welfare)**

उत्पादन फलों से उत्पादक सम्भावना वक्र; उत्पादन सम्भावना चक्र से ग्रेण्ड उपयोगिता सम्भावना वक्र; ग्रेण्ड उपयोगिता सम्भावना वक्र से सीमित आनन्द बिन्दु तक; प्रश्न

**49. परेटियन इष्टतम की सीमान्त दशायें  
(Marginal Conditions of Paretian Optimum)**

विनिमय की इष्टतम दशा; साधन स्थानापन्नता की इष्टतम दशा; विशेषीकरण की इष्टतम कोटि की दशा; इष्टतम साधन-वस्तु की दशा; वस्तु स्थानापन्नता की इष्टतम दशा; साधन-प्रयोग की तीव्रता के लिए इष्टतम दशा; इष्टतम अन्तःकालिक दशा; प्रश्न

**50. परेटो इष्टतमता और पूर्ण प्रतियोगिता  
(Pareto Optimality and Perfect Competition)**

प्रस्तावना; मार्किट विफलता अथवा परेटो इष्टतम की अप्राप्यता; दक्षता और न्यायसंगति के बीच विनिमय; द्वितीय श्रेष्ठ का सिद्धान्त; प्रश्न

**51. सार्वजनिक उद्यमों की कीमत-निर्धारण  
(Pricing of Public Enterprises)**

प्रस्तावना; सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं की कीमत-निर्धारण; सीमांत लागत कीमत-निर्धारण नियम; न-लाभ-न-हानि नीति; लाभ-कीमत नीति; प्रश्न

**52. जोखिम तथा अनिश्चितता का अर्थशास्त्र  
(Economics of Risk and Uncertainty)**

प्रस्तावना; जोखिम के प्रति एक उपभोक्ता का व्यवहार; जुआ; बीमा; बीमा तथा जुए में चयन; फ्रीडमैन-सैवेज परिकल्पना; परिसंपत्ति पोर्टफोलियो चयन; प्रश्न

**53. खोज, असममित सूचना तथा दक्ष बाजार के सिद्धान्त  
(Theories of Search, Asymmetric Information and Efficient Markets)**

प्रस्तावना; खोज का सिद्धान्त; असममित (या अपूर्ण) सूचना; दक्ष बाजार की परिकल्पना; प्रश्न

## सप्तम भाग

### समष्टि अर्थशास्त्र (MACROECONOMIC THEORY)

#### 54. राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप

(Concept and Measurement of National Income)

प्रस्तावना; राष्ट्रीय आय की परिभाषा; राष्ट्रीय आय की धारणा एवं माप की विधियाँ; सकल घरेलू उत्पाद; सकल राष्ट्रीय उत्पाद; आय विधि; व्यय विधि; मूल्य बढाव द्वारा 0 बाजार बाजार कीमतों पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद; शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; बाजार कीमतों पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद; घरेलू आय या उत्पाद; निजी आय; वैयक्तिक आय; प्रयोज्य आय; वास्तविक आय; प्रति व्यक्ति आय; राष्ट्रीय आय मापने की विधियाँ; राष्ट्रीय आय के माप में कठिनाइयाँ; विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएँ; राष्ट्रीय आय विश्लेषण का महत्त्व; राष्ट्रीय आय धारणाओं में परस्पर संबंध; कुछ समस्याओं के हल; प्रश्न।

#### 55. आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय

(Economic Welfare and National Income)

आर्थिक कल्याण क्या है? आर्थिक कल्याण व राष्ट्रीय आय में सम्बन्ध; राष्ट्रीय आय आर्थिक कल्याण के माप के रूप में; प्रश्न।

#### 56. सामाजिक लेखांकन

(Social Accounting)

अर्थ; सामाजिक लेखांकन के घटक; सामाजिक लेखों का प्रस्तुतीकरण; सामाजिक लेखांकन का महत्त्व; सामाजिक लेखांकन की कठिनाइयाँ; प्रश्न।

#### 57. आय का चक्रीय प्रवाह

(The Circular Flow of Income)

अर्थ; घरेलू तथा व्यवसाय क्षेत्र के बीच आय का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेश युक्त आय का प्रवाह; त्रि-क्षेत्रीय अर्थ व्यवस्था या सरकारी क्षेत्र युक्त आय का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त या चार-क्षेत्रीय आय का चक्रीय प्रवाह; चक्रीय प्रवाह का महत्त्व; प्रश्न।

#### 58. रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त

(The Classical Theory of Employment)

प्रस्तावना; रोजगार का क्लासिकी सिद्धान्त; मान्यताएँ; से का बाजार नियम; पीगु का मत; पूर्ण क्लासिकी मॉडल का सारांश; क्लासिकी सिद्धान्त की केन्ज द्वारा आलोचना; प्रश्न।

#### 59. 'से' का बाजार नियम

(Say's Law of Market)

से का नियम; से के नियम की प्रस्थापनाएँ और उसमें निहितार्थ; से के नियम की आलोचनाएँ; प्रश्न

**60. प्रभावी मांग का नियम**

**(The Principle of Effective Demand)**

प्रस्तावना; अर्थ; समस्त मांग कीमत और वक्र; समस्त पूर्ति कीमत और वक्र; प्रभावी मांग का निर्धारण; प्रभावी मांग का महत्व; प्रश्न।

**61. उपभोग फलन**

**(The Consumption Function)**

प्रस्तावना; उपभोग फलन का अर्थ; उपभोग फलन के गुण अथवा तकनीकी विशेषताएँ; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और औसत उपभोग प्रवृत्ति में संबंध; केन्ज का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम; केन्ज के नियम के निहित तत्व अथवा उपभोग फलन का महत्व; उपभोग फलन के निर्धारक; उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय; प्रश्न।

**62. उपभोग फलन के सिद्धान्त**

**(Theories of the Consumption Function)**

प्रस्तावना; केन्ज का उपभोग फलन सिद्धान्त; निरपेक्षा आय परिकल्पना; सापेक्ष आय परिकल्पना; स्थायी आय परिकल्पना; जीवन-चक्र परिकल्पना; प्रश्न।

**63. बचत फलन**

**(The Saving Function)**

बचत फलन का अर्थ; बचत प्रवृत्ति; बचत के निर्धारक; किफायत का विरोधाभास; प्रश्न।

**64. निवेश फलन**

**(The Investment Function)**

निवेश और पूंजी का अर्थ; निवेश के प्रकार; पूंजी की सीमान्त उत्पादकता; प्रत्याशाओं की भूमिका; निवेश की सीमान्त उत्पादकता; 0 और 0 में भेद; प्रेरित निवेश को प्रभावित करने वाले अन्य (ब्याज दर से भिन्न) कारक; प्रश्न।

**65. बचत तथा निवेश समानता**

**(Saving and Investment Equality)**

प्रस्तावना; क्लासिकी विचारधारा; केन्जवादी विचारधारा; आय मत; प्रश्न।

**66. गुणक की धारणा**

**(The Concept of Multiplier)**

प्रस्तावना; निवेश गुणक; कार्यकरण, मान्यताएं; रिसाव; आलोचनाएं; महत्व; प्रावैगिक या समयावधि गुणक; रोजगार गुणक; गुणक सिद्धान्त की विकासशील देशों पर व्यवहार्यता; प्रश्न।

**67. जटिल गुणक**

**(Complex Multipliers)**

प्रस्तावना; सरकारी व्यय गुणक; कर गुणक; संतुलित बजट गुणक; प्रश्न।

**68. त्वरण सिद्धान्त तथा अतिगुणक**

**(The Theory of Acceleration and Super Multiplier)**

प्रस्तावना; त्वरण का सिद्धान्त; त्वरण सिद्धान्त का कार्यकरण; आलोचनाएं; त्वरक का निवेश सिद्धान्त के रूप में कार्य; अतिगुणक या गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया; व्यापार-चक्रों में गुणक-त्वरक परस्पर क्रिया का उपयोग; प्रश्न।

**69. आय निर्धारण मॉडल**

**(Income Determination Model)**

प्रस्तावना; दो-क्षेत्रीय मॉडल : इसकी मान्यताएं; व्याख्या; समस्त मांग और समस्त पूर्ति की समानता; बचत और निवेश की समानता; तीन-क्षेत्रीय मॉडल : सरकारी व्यय; कराधान; चार-क्षेत्रीय मॉडल : खुली अर्थव्यवस्था में आय निर्धारण; प्रश्न।

**70. रोजगार का केन्जीय सिद्धान्त-पूर्ण मॉडल**

**(Keynesian Theory of Employment-Complete Model)**

प्रस्तावना; आय उत्पादन और रोजगार का केन्जीय सिद्धान्त; केन्जीय सिद्धान्त के नीति निहितार्थ; प्रश्न।

**71. अल्पविकसित देशों पर केन्ज के सिद्धान्त की व्यवहार्यता**

**(Applicability of Keynes's Theory on Underdeveloped Countries)**

प्रस्तावना; केन्जवादी मान्यताएं तथा अल्पविकसित देश; केन्जवादी सिद्धान्त के औजार तथा अल्पविकसित देश; प्रश्न।

**72. क्लासिकी और केन्जीय मॉडलों की तुलना**

**(Comparison of Classical and Keynesian Models)**

जनरल थ्योरी : विकासी या क्रांतिकारी; क्लासिकी बनाम केन्जीय सिद्धान्त; केन्ज के सिद्धान्त की आलोचनाएं; निष्कर्ष; प्रश्न।

**73. व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धान्त**

**(Nature of Trade Cycles and Theories)**

अर्थ; चक्रों के प्रकार; व्यापार-चक्र की अवस्थाएं; व्यापार-चक्र सम्बन्धी सिद्धान्त: हाट्टे का मुद्रा सिद्धान्त; हेक का मौद्रिक अति-निवेश सिद्धान्त; शूम्पीटर का नव-प्रवर्तन सिद्धान्त; केन्ज का व्यापार चक्र सिद्धान्त; फ्रीडमैन का व्यापार चक्र सिद्धान्त; सैम्यूलसन का व्यापार चक्र मॉडल; हिक्स व्यापार चक्र सिद्धान्त; कालडर का व्यापार चक्र सिद्धान्त; स्थिरकरण नीतियाँ या व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न।

**74. मौद्रिक नीति**

**(Monetary Policy)**

अर्थ; उद्देश्य; मौद्रिक नीति के उपकरण; विस्तारक मौद्रिक नीति; प्रतिबंधात्मक मौद्रिक नीति; विकासशील अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति की भूमिका; विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में इसकी सीमाएं; प्रश्न।

**75. राजकोषीय नीति**

**(Fiscal Policy)**

अर्थ; उद्देश्य; राजकोषीय नीति के औजार : बजट नीति; क्षतिपूरक राजकोषीय नीति; स्वनिर्णयात्मक राजकोषीय नीति; निष्कर्ष; प्रश्न।

This document was created with Win2PDF available at <http://www.win2pdf.com>.  
The unregistered version of Win2PDF is for evaluation or non-commercial use only.  
This page will not be added after purchasing Win2PDF.